

# དཀར་ཆག

དཔལ་དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོའི་རྒྱལ་འགྲེལ་དྲི་མེད་འོད་ཀྱི་  
ནང་གི་ལེའུ་མཆན་འགྲེལ་དང་བཅས་པ།

|                                                  |   |
|--------------------------------------------------|---|
| ༡༥་བཅུད་ཀྱི་སེམས་ཅན་གཙོ་བོར་བཤད་པ་ལ་གཉིས།        | ༡ |
| དང་པོ། བཤད་པ་ལ་འཇུག་པ།                           | ༡ |
| གཉིས་པ། ལྷགས་པའི་བཤད་པ་དངོས་ལ་གསུམ།              | ༢ |
| (༡) མཚམས་སྒྲུབ་ཞིང་ལྷགས་ལན་བསྟན་པ།               | ༢ |
| (༢) ལན་གྱིས་དོན་རྒྱལ་པར་བཤད་པ་ལ་གཉིས།            | ༢ |
| (༡) ནང་ལུས་ཀྱི་མཚན་ཉིད་ལ་གཉིས།                   | ༢ |
| ༡ ནང་ལུས་ཀྱི་དོན་མདོར་བསྟན་པ་ལ་གཉིས།             | ༢ |
| ༡ ལུས་ལ་བྱེ་རྩལ་གྱི་སྒྲ་ཚོགས་ཡི་གས་བསྟན་པ།       | ༢ |
| ༢ ལུས་བསྐྱེད་པ་ལ་སྐྱེད་དང་འབྲས་བུའི་ཚོགས་བསྟན་པ། | ༥ |
| ༢ བསྟན་པ་དེ་རྒྱལ་པར་བཤད་པ་ལ་ལྔ།                  | ༥ |
| ལུས་ཇི་ལྟར་འཆགས་པ་ལ་གཉིས།                        | ༦ |
| མངལ་སྒྲིལ་གྱི་ལུས་ཇི་ལྟར་འགྲུབ་པ་ལ་གསུམ།         | ༦ |
| མངལ་དུ་ས་བོན་འཛིན་ཚུལ་ལ་གཉིས།                    | ༦ |
| ༡ མངལ་གྱི་ཁམས་ཀྱིས་ས་བོན་འཛིན་ཚུལ།               | ༦ |
| ༢ རང་གི་ཁམས་ཀྱིས་ས་བོན་འཛིན་ཚུལ།                 | ༢ |

|                                                 |    |
|-------------------------------------------------|----|
| གནས་སྐབས་བཅུར་འགྱུར་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....           | ༡  |
| ༡ གནས་སྐབས་བཅུར་དབྱེ་བ། .....                   | ༡  |
| ༢ གནས་སྐབས་སོ་སོའི་འདུག་པ། .....                | ༧  |
| ལུས་གྱི་ཆ་ཤས་འགྱུར་ཚུལ། .....                   | ༡༡ |
| དེ་འཕགས་པའི་བདེན་པས་བཤད་པ་ལ་གསུམ། .....         | ༡༤ |
| (༡) འཁོར་བ་སྐྱུག་བསྐྱེད་ཀྱི་བདེན་པ། .....       | ༡༤ |
| (༢) དེ་སྤོང་བྱེད་ལམ་གྱི་བདེན་པ། .....           | ༡༤ |
| (༣) ཀྱུན་འབྱུང་དང་འགོག་པའི་བདེན་པ་ལ་གཉིས། ..... | ༡༤ |
| ཀྱུན་འབྱུང་འགོག་པ་སྤྱིར་བསྟན་པ། .....           | ༡༥ |
| ཀྱུན་འབྱུང་བྱེ་བྲག་ཏུ་བཤད་པ་ལ་བཞི། .....        | ༡༦ |
| ཀྱུན་རྫོབ་ཀྱི་སྐྱུ་བཞི་ལ་གཉིས། .....            | ༡༦ |
| ༡ བྱི་ནང་ཐུན་མོང་གི་སྐྱུ་བཞི། .....             | ༡༦ |
| ༢ བྱི་ནང་སོ་སོའི་སྐྱུ་བཞི། .....                | ༡༦ |
| ཀྱུན་རྫོབ་ཀྱི་རྩོམ་བཞི། .....                   | ༡༧ |
| ཡན་ཚུན་འབྲེལ་བ་ལ་གསུམ། .....                    | ༡༧ |
| 1 རྟེན་དང་བརྟེན་པའི་འབྲེལ་བ་ལ་གཉིས། .....       | ༡༧ |
| ༡ འབྱུང་བའི་རྟེན་དང་བརྟེན་པ། .....              | ༡༧ |
| ༢ ཚོགས་པའི་རྟེན་དང་བརྟེན་པ། .....               | ༢༡ |
| 2 བསྐྱེད་བྱ་དང་སྐྱེད་བྱེད་ཀྱི་འབྲེལ་བ། .....    | ༢༢ |
| 3 གཟུང་བ་དང་འཛིན་པའི་འབྲེལ་བ། .....             | ༢༢ |
| ཁམས་ལས་འགྱུར་བ་འབྱུང་བ་ལ་དགྲ། .....             | ༢༣ |

|                                                      |      |
|------------------------------------------------------|------|
| 1) ཡུང་བོ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....                | 23   |
| 2) དབང་བོ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....                | 24   |
| 3) ཉེན་མོངས་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....              | 24   |
| 4) ལས་དབང་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....                | 25   |
| 5) ཡུ་མོ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....                 | 25   |
| 6) འཁོར་ལོ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....               | 27   |
| 7) སོར་མོ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....                | 28   |
| 8) གཉིས་སྒྲིམ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....            | 28   |
| 9) སྒྲི་སྒྲིམ་ཁམས་སོ་སོ་ལས་འབྱུང་བ། .....            | 28   |
| མདོར་བསྟུས་དང་བོ། .....                              | (29) |
| ལུས་ཇི་ལྟར་གནས་པ་ལ་གཉིས། .....                       | 30   |
| 1) ཀྱན་འབྱུང་གི་བདེན་པ་ལ་སོགས་པ་ལ་དུག། .....         | 30   |
| 2) དང་ཁམས་ལས་རིགས་ངེས་པར་གནས་ཚུལ་ལ་ལྟ། .....         | 30   |
| 3) འཁོར་ལོ་དུག་སྒྲི་བཞིའི་ཏེན་དུ། .....              | 30   |
| 4) འཁོར་ལོ་དུག་པོ་རིགས་དུག་ཏུ། .....                 | 31   |
| 5) སྒྲིང་ལོག་གི་རྩ་རིགས་དུག་ཏུ། .....                | 32   |
| 6) ལུས་དང་བསམ་པས་ཁ་དོག་ངེས་པ། .....                  | 33   |
| 7) ཐབས་དང་གཤེས་རབ་ཡན་ཚུན་འབྱུང་པར་གནས་ཚུལ། .....     | 34   |
| 8) དང་ཁམས་འཕེལ་བའི་ངེས་པར་གནས་ཚུལ། .....             | 35   |
| 9) རང་བཞིན་དང་སྒྲིམ་བུའི་ངེས་པར་གནས་ཚུལ། .....       | 37   |
| 10) རྩི་རོལ་གྱི་ཚོས་རྒྱམས་ལུས་ལ་གནས་ཚུལ་ལ་དུག། ..... | 38   |

|                                                   |    |
|---------------------------------------------------|----|
| ༡ ས་ཁུ་ལ་སོགས་པ། .....                            | ༣༤ |
| ༢ རྒྱ་སྐར་ལ་སོགས་པ། .....                         | ༣༩ |
| ༣ རྒྱེ་གནས་ལ་སོགས་པ། .....                        | ༤༠ |
| ༤ མཐོ་རིས་ལ་སོགས་པ། .....                         | ༤༢ |
| ༥ ལྷོ་འེ་མེ་ལ་སོགས་པ། .....                       | ༤༣ |
| ༦ གཟའི་རྒྱ་ཚོད་ལ་སོགས་པ་ལུས་ལ་གནས་ཚུལ། .....      | ༤༤ |
| ཕྱི་དང་མཐུན་པར་ལུས་ལ་རྒྱ་རྒྱ་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....    | ༤༥ |
| ཕྱི་དང་མཐུན་པར་འཁོར་ལོ་ལ་རྒྱ་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....    | ༤༥ |
| (༡) འཁོར་ལོ་བཞི་ལ་རྒྱ་ཚུལ་ལ་གསུམ། .....           | ༤༦ |
| 1 ལྷོ་བའི་འཁོར་ལོ་ལ་གསུམ། .....                   | ༤༦ |
| ༡ ཕྱི་དང་མཐུན་པར་འཁོར་བ་བཅུ་གཉིས་འཁོར་ཚུལ། .....  | ༤༦ |
| ༢ ཕྱི་དང་མཐུན་པར་དཀྱིལ་འཁོར་དུག་ཅུ་འབབ་ཚུལ། ..... | ༤༧ |
| ༣ ཕྱི་དང་མཐུན་པར་གཡོན་དང་གཡས་ལ་འབབ་ཚུལ། .....     | ༤༨ |
| 2 སྤྱིང་ཁའི་འཁོར་ལོ་ལ་བཞི། .....                  | ༥༠ |
| ༡ རྒྱ་རྒྱས་ལ་རྒྱ་རྒྱ་ཚུལ། .....                   | ༥༠ |
| ༢ རྒྱ་བཅུ་པོ་རྒྱས་ཀྱི་བྱ་བ། .....                 | ༥༡ |
| ༣ རྒྱ་བཅུ་པོ་རྒྱས་ཀྱི་མིང། .....                  | ༥༣ |
| ༤ རྒྱ་བཅུད་ཀྱི་ལྷག་པའི་ལྷ། .....                  | ༥༣ |
| 3 མགོན་པ་དང་དབུ་བ་ལ་རྒྱ་ཚུལ། .....                | ༥༤ |
| (༢) འཁོར་ལོ་དུག་ལ་རྒྱ་ཚུལ། .....                  | ༥༤ |
| ཕྱི་དང་མཐུན་པར་སྤྲུག་ལ་རྒྱ་ཚུལ། .....             | ༥༥ |

|                                                                |    |
|----------------------------------------------------------------|----|
| ཞིང་ལ་སོགས་པ་རྣམས་ལུས་ལ་གནས་ཚུལ། .....                         | ༥༧ |
| མདོར་བསྡུས་གཉིས་པ། .....                                       | ༥༧ |
| ༡༽ གྲ་གྲོའི་འབྲུག་པ་ལ་སོགས་པར་གནས་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....            | ༥༨ |
| རིགས་ལྡན་དང་གྲ་གྲོའི་འབྲུག་པ། .....                            | ༥༨ |
| རྒྱུད་མེ་དང་ལྟ་ལ་སོགས་པ་ལུས་ལ་གནས་ཚུལ་ལ་གསུམ། .....            | ༦  |
| རྣལ་འབྱོར་དང་རྣལ་འབྱོར་མའི་རྒྱུད་ལུས་ལ་བཞུགས་ཚུལ་ལ་གསུམ། ..... | ༦༠ |
| 1 རྣལ་འབྱོར་མའི་རྒྱུད། .....                                   | ༦༠ |
| 2 རྣལ་འབྱོར་གྱི་རྒྱུད་ལ་གཉིས། .....                            | ༦༢ |
| ༡ དཀྱིལ་འཁོར་དགའི་ལྷ་གངས། .....                                | ༦༢ |
| ༢ ལྷ་དེ་རྣམས་ཀྱི་དག་པ། .....                                   | ༦༣ |
| 3 བྱིན་གི་ཕྱག་རྒྱ་ལུས་ལ་བཞུགས་ཚུལ། .....                       | ༦༤ |
| ཁྱད་པར་དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོའི་ལྷ་ལུས་ལ་བཞུགས་ཚུལ་ལ་གསུམ། .....      | ༦༤ |
| (༡) བསྡུས་རྒྱུད་ཀྱི་ལྷ་ལ་བཞུགས་པར་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། .....         | ༦༤ |
| ༡ བད་མའི་ལྷ་བའི་ལྷ་ལུས་ལ་བཞུགས་པ། .....                        | ༦༤ |
| ༢ བད་མའི་འདབ་མའི་ལྷ་ལུས་ལ་བཞུགས་པ། .....                       | ༦༧ |
| (༢) རྩ་རྒྱུད་ཀྱི་ལྷ་ལུས་ལ་བཞུགས་པ། .....                       | ༦༨ |
| (༣) དེ་ལྟར་ཤེས་ན་མུར་དུ་གྲོལ་བར་བསྟན་པ། .....                  | ༦༩ |
| དུས་འཁོར་གྱི་རྒྱུད་ཀྱི་རིས་པ་ལ་གསུམ། .....                     | ༧༠ |
| 1 རྩ་རྒྱུད་ལས་བསྡུས་རྒྱུད་འབྱུང་ཚུལ། .....                     | ༧༠ |
| 2 དེ་ལུས་ཀྱི་རྩ་ལ་སྦྱར་བ་ལ་གཉིས། .....                         | ༧༠ |
| ༡ རྩའི་གངས་དང་རྩོན་ཡོན་བསྟན་པ། .....                           | ༧༠ |

|                                                     |     |
|-----------------------------------------------------|-----|
| ༡ ཕ་བའི་རྒྱུད་ལས་བསྐྱུས་རྒྱུད་བྱུང་ཚུལ། .....       | ༢༤  |
| 3 ལུས་ལ་རིགས་ཀྱི་ཕ་བསྐྱུང་ཚུལ། .....                | ༢༥  |
| མདོར་བསྐྱུས་གསུམ་པ། .....                           | ༢༥  |
| ལུས་ཇི་ལྟར་འདོར་བ་ལ་བྱུག .....                      | ༢༥  |
| (༡) དུས་མིན་དུ་འཆི་བས་འདོར་ཚུལ་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། ..... | ༢༥  |
| དོན་ལ་གནས་པ་བཤད་པ་ལ་གཉིས། .....                     | ༢༥  |
| 1 ལྷ་བའི་འཆི་ལྟས་ཀྱིས་འདོར་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....        | ༢༥  |
| ༡ འཆི་ལྟས་ཀྱིས་འཆི་བའི་དོན་དངོས། .....              | ༢༥  |
| ༡ དེ་འཁོར་ལོས་གསལ་བར་སྟོན་པ། .....                  | ༢༡  |
| 2 ཉི་མའི་འཆི་ལྟས་ཀྱི་འདོར་ཚུལ་ལ་བཞི། .....          | ༢༡  |
| ༡ བཤད་པ་གཅིག་གི་ངེས་པ། .....                        | ༢༡  |
| ༡ བཤད་པ་གཉིས་པའི་ངེས་པ། .....                       | ༢༤  |
| ༡ ཉིན་ཞག་རྣམས་ཀྱི་ཕ་འདོར་ཚུལ། .....                 | ༢༤  |
| ༤ འདོར་བའི་འཁོར་ལོ་དགོད་པ། .....                    | ༢༤  |
| གཞན་གྱིས་བརྟགས་པ་དགག་པ། .....                       | ༢༠  |
| (༡) དུས་སུ་འཆི་བས་འདོར་ཚུལ་ལ་གསུམ། .....            | ༢༥  |
| ༡) དུས་སུ་འཆི་བའི་དོན་དངོས་ལ་གསུམ། .....            | ༢༥  |
| འཆི་ཞག་རྣམས་ཀྱིས་གང་གང་འདོར་བ་ལ་གཉིས། .....         | ༢༥  |
| ༡ མདོར་བསྟན་པ། .....                                | ༢༥  |
| ༡ རྒྱས་པར་བཤད་པ། .....                              | ༢༧  |
| འདོར་བྱེད་དེ་རྣམས་ཇི་ལྟར་འབྱུང་བ། .....             | ༡༠༠ |

|                                                                |     |
|----------------------------------------------------------------|-----|
| རྒྱ་བའི་གངས་ཀྱི་རྒྱ་མཚན་བསྟན་པ། .....                          | ༡༠༩ |
| ༡༽ རྩ་འཆད་ཚུལ་ལ་ལྟ། .....                                      | ༡༠༩ |
| (༡) འཁོར་ལོ་རྣམས་ཀྱི་རྩ་འདོར་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....                 | ༡༠༩ |
| ལྟེ་བའི་འཁོར་ལོ་ལ་སོགས་པའི་རྩ་འཆད་པ་ལ་གཉིས། .....              | ༡༠༩ |
| ༡ དོན་དངོས་བསྟན་པ། .....                                       | ༡༠༩ |
| ༢ ཡི་གེ་མདོར་བསྟན་པ། .....                                     | ༡༠༩ |
| མགིན་པའི་འཁོར་ལོ་ལ་སོགས་པའི་རྩ་འཆད་པ། .....                    | ༡༠༩ |
| (༢) འདོར་བྱེད་ཞག་རྣམས་ཀྱི་ཡི་གེ་ལ་གཉིས། .....                  | ༡༠༩ |
| 1 ལོ་གསུམ་གྱི་གསལ་བྱེད་རྣམས་སོ་སོར་བཤད་པ་ལ་གཉིས། .....         | ༡༠༩ |
| མདོར་བསྟན་པ། .....                                             | ༡༠༩ |
| རྒྱས་པར་བཤད་པ་ལ་གསུམ། .....                                    | ༡༡༡ |
| ༡ སྙིང་སྙོབས་ཀྱི་ལོ་ལ་རང་བཞིན་གྱི་དབྱངས་ཀྱིས་བྱེ་བའི་གསལ་བྱེད་ |     |
| རྣམས་བཤད་པ། .....                                              | ༡༡༡ |
| ༢ གཉིས་པ་རྒྱལ་གྱི་ལོ་ལ་ཡོན་ཏན་དང་འཕེལ་བས་བྱེ་བའི་གསལ་བྱེད་     |     |
| རྣམས་བཤད་པ། .....                                              | ༡༡༦ |
| ༣ ལུན་པའི་ལོ་ལ་ཧར་བསྐྱར་བས་བྱེ་བའི་གསལ་བྱེད་རྣམས་བཤད་པ། .....  | ༡༡༧ |
| 2 རྩོགས་གསུམ་གྱི་དབྱངས་ལ་སོགས་པས་གང་འདོར་བ། .....              | ༡༡༩ |
| (༣) ཞག་བྱག་ན་འཆི་བའི་རྒྱུད་བཅུ། .....                          | ༡༡༩ |
| (༤) ལོ་བརྒྱལ་རྩ་ཀྱན་འདོར་པ་ལ་གཉིས། .....                       | ༡༢༡ |
| ༡ སྙིང་རགས་པའི་ངེས་པ། .....                                    | ༡༢༡ |
| ༢ བྲ་བ་དབྱགས་ཀྱི་ངེས་པ། .....                                  | ༡༢༣ |

|                                                                |     |
|----------------------------------------------------------------|-----|
| (4) ཏུས་ཀྱི་རྩེ་རང་བཞིན་བསྟན་པ།                                | 126 |
| 3) ལམ་ལོ་བཞིན་སྒྲིལ་བའི་ཚུལ་ལ་གཉིས།                            | 126 |
| 1 སྒྲིལ་གྱི་ཆ་བསྟན་ཏེ་བྱ།                                      | 126 |
| 2 སྒྲིལ་དབྱངས་དང་གསལ་བྱེད་རྣམས་ཀྱི་སྒྲིལ་བའི་ཚུལ་བཤད་པ་ལ་གཉིས། | 127 |
| 1 སྒྲིལ་དབྱངས་ཡིག་རྣམས་བསྐྱེད་པ་དང་སྐྱེད་པས་སྒྲིལ།             | 127 |
| 2 ཉི་མའི་གསལ་བྱེད་རྣམས་བསྐྱེད་པ་དང་བསྐྱེད་པས་སྒྲིལ།            | 130 |
| (3) དེ་ལྟར་འཆི་བའི་སྒྲིལ་མཚན་བསྟན་པ་ལ་གསུམ།                    | 131 |
| 1 སྒྲིལ་བའི་ལུ་ལོ།                                             | 131 |
| 2 ལུ་ལོ་བསྐྱེད་ཆོས་ཚུལ།                                        | 133 |
| 3 ལུ་ལོ་བྱི་འཆི་བ་བསྟན་པ།                                      | 134 |
| (4) འཆི་བའི་ཁམས་ཀྱི་རྣམ་འགྱུར་བསྟན་པ།                          | 134 |
| (4) འཆི་བའི་མཚན་ཉིད་གཞན་ཡང་བསྟན་པ།                             | 135 |
| (6) དེས་ན་བསོད་ནམས་བྱ་བར་གདམས་པ།                               | 137 |
| མདོར་བསྟུན་བཞི་པ།                                              | 137 |
| ལུས་སྒྲིལ་འཆིར་འགྱུར་བ་ལ་གཉིས།                                 | 137 |
| ལུས་སྒྲིལ་འཆིའི་སྒྲིལ་བཟུང་བ་ལ་གསུམ།                           | 137 |
| སྒྲིལ་འཕོ་བའི་སྐད་ཅིག་ཏུ་བསྟན་པ་ལ་བཞི།                         | 137 |
| 1 བྱེད་པ་པོ་མེད་ཀྱང་ཀྱན་རྫོབ་ཀྱི་བྱེད་པ་པོ་བསྟན་པ།             | 137 |
| 2 བྱེད་པ་པོ་ལ་སོགས་པ་དང་དེ་ཟད་པའི་དེས་པ།                       | 138 |
| 3 བྱེད་པ་པོ་ཟད་ཀྱང་ཆོགས་པ་ལས་སྒྲིལ་བའི་དེས་པ་བསྟན་པ།           | 140 |
| 4 བྱེད་པ་པོ་ཟད་ཀྱང་འཆིར་བ་དང་གྲོལ་བའི་དེས་པ་བསྟན་པ།            | 141 |

|                                                  |     |
|--------------------------------------------------|-----|
| རང་བཞིན་གནས་སྐབས་ཀྱི་ངེས་པ་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....  | ༡༤༩ |
| ༡ ལའོར་བའི་སེམས་ཀྱི་གནས་སྐབས་བསྟན་པ། .....       | ༡༤༩ |
| ༢ རང་བཞིན་དང་རྣམ་འགྱུར་ཡི་གེས་བསྟན་པ། .....      | ༡༥༠ |
| ༣ བདེ་གཤེགས་སྒྲིང་པོ་གཞན་དུ་བསྟན་པ། .....        | ༡༥༡ |
| ལས་འབྲས་ལ་ཡོངས་སྟོན་པའི་ཚུལ་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། ..... | ༡༥༢ |
| 1 སྒྲ་བར་བྱ་བའི་དོན་བསྟན་པ་ལ་ལྔ། .....           | ༡༥༢ |
| ༡ རང་གི་ལས་ཀྱི་འབྲས་བྱ་ལ་ཡོངས་སྟོན་པ། .....      | ༡༥༢ |
| ༢ བྱེད་པ་པོ་མེད་ཀྱང་ལས་འབྲས་ཡོད་པ། .....         | ༡༥༣ |
| ༣ སེམས་ཀྱི་རྣམ་པ་བཞི་བསྟན། .....                 | ༡༥༤ |
| ༤ སེམས་ལས་གཞན་པའི་བྱེད་པོ་མེད་པ། .....           | ༡༥༤ |
| ༥ སྒྲིང་པོའི་སེམས་ལ་བཅིངས་གྲོལ་མེད་པ། .....      | ༡༥༤ |
| 2 སྒྲ་བ་པོ་ལ་ཕྱག་འཆལ་བ། .....                    | ༡༥༥ |
| རྒྱུད་ལས་སྒྲེ་འཆིར་འགྱུར་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....       | ༡༥༥ |
| (༡) སྒྲེ་བའི་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....                   | ༡༥༥ |
| སྒྲེ་ཚུལ་གྱི་དོན་དངོས་ལ་གཉིས། .....              | ༡༥༥ |
| ༡ བསམ་བས་སྒྲེ་བའི་ངེས་པ། .....                   | ༡༥༥ |
| ༢ སྒྲེ་སར་འགྲོ་བའི་དབྱེ་བ། .....                 | ༡༥༥ |
| སྒྲ་གཉེན་གྱི་ཁྱད་པར་ལ་གཉིས། .....                | ༡༥༥ |
| སྒྲ་བྱ་མ་རིག་པའི་རང་བཞིན་འཁོར་བ། .....           | ༡༥༥ |
| གཉེན་པོ་རིག་པ་མུ་ངན་ལས་འདས་པ་ལ་གསུམ། .....       | ༡༥༥ |
| ༡ གཉེན་པོ་རིག་པ་དོས་བཟུང་བ། .....                | ༡༥༥ |

|                                              |     |
|----------------------------------------------|-----|
| ༡ རིག་པའི་རྣལ་འབྱོར་གོམས་པའི་སྟོབས། .....    | ༡༥༧ |
| ༡ གོམས་བྱེད་རྣལ་འབྱོར་པའི་བྱང་པར་ལ་ལྷ། ..... | ༡༥༨ |
| ཡེ་ཤེས་སྒྲུ་སོགས་གྱི་བྱང་པར། .....           | ༡༥༨ |
| བྱ་བ་སྒྲུབ་པའི་བྱང་པར་ལ་གཉིས། .....          | ༡༥༠ |
| ༡ སངས་རྒྱལ་བ་དང་ལྷ་མིན་གྱི། .....            | ༡༥༠ |
| ༡ དེ་དག་འདྲེས་པ་འབྱུང་པའི་བྱ་བ། .....        | ༡༥༡ |
| འགྲོ་བའི་ལམ་གྱི་བྱང་པར། .....                | ༡༥༣ |
| བག་ཆགས་འཛིན་པའི་བྱང་པར། .....                | ༡༥༤ |
| བག་ཆགས་སྤང་པའི་ངེས་པ། .....                  | ༡༥༥ |
| (༡) འཆི་བའི་ཚུལ་ལ་གཉིས། .....                | ༡༥༥ |
| འཆི་བ་རྒྱ་བས་དུས་ཟ་ཚུལ་ལ་གསུམ། .....         | ༡༥༥ |
| 1 མདོར་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....                  | ༡༥༥ |
| ༡ མངལ་རྫོགས་པའི་ཡི་གེ .....                  | ༡༥༥ |
| ༡ དེ་ནས་ཁམས་ཐམས་ཅད་སྒྲིན་པ། .....            | ༡༥༨ |
| ༡ དེ་ནས་འཆི་བའི་དུས་རྒྱ་བ། .....             | ༡༥༩ |
| 2 རྒྱལ་བར་བཤད་པ་ལ་གསུམ། .....                | ༡༥༩ |
| ༡ ཀླང་པ་དང་ལོ་སྒྲིའི་སྒྲོ་ནས་བསྟན་པ། .....   | ༡༥༩ |
| ༡ རྩོགས་དང་ཉིན་མཚན་གྱི་སྒྲོ་ནས་བསྟན་པ། ..... | ༡༦༠ |
| ༡ བྱིས་གྱི་འཁོར་ལོའི་སྒྲོ་ནས་བསྟན་པ། .....   | ༡༦༡ |
| 3 དོན་བསྟན་པ། .....                          | ༡༦༡ |
| དེས་ཅུ་དང་ཁམས་འདོར་ཚུལ། .....                | ༡༦༢ |

|                                                          |     |
|----------------------------------------------------------|-----|
| མདོར་བསྟུན་ལྟ་བུ། .....                                  | ༡༢༩ |
| ལུས་བསྐྱེད་ཞིང་གསོ་བ་ལ་གསུམ། .....                       | ༡༢༩ |
| (༡) རྣལ་འབྱོར་པའི་ལུས་བསྐྱེད་བ་ལ་བཞི། .....              | ༡༢༩ |
| 1 དངོས་གྲུབ་ཀྱི་རྟེན་ལུས་བསྐྱེད་བ་ལ་གཉིས། .....          | ༡༣༤ |
| ༡ འཛིག་རྟེན་པའི་དངོས་གྲུབ་ཀྱི་དོན་དུ་ལུས་བསྐྱེད་བ། ..... | ༡༣༤ |
| ༢ འཛིག་རྟེན་ལས་འདས་པའི་དངོས་གྲུབ་ཀྱི་ལམ་བརྟན་བ། .....    | ༡༣༥ |
| 2 དུས་མ་ཡིན་པའི་འཆི་བ་བསྐྱེད་བ་ལ་གསུམ། .....             | ༡༣༥ |
| ༡ རྒྱུང་འགག་སྟེ་འཆི་བ་བསྐྱེད་བ། .....                    | ༡༣༥ |
| ༢ རད་བསལ་ཏེ་འཆི་བ་བསྐྱེད་བ་ལ་གཉིས། .....                 | ༡༣༧ |
| རྒྱུང་ནད་ལ་སོགས་པ་ཞི་བ། .....                            | ༡༣༧ |
| དམ་ཆུ་ལ་སོགས་པ་ཞི་བ། .....                               | ༡༣༨ |
| ༣ རྩ་བཅིངས་ཏེ་འཆི་བ་བསྐྱེད་བ། .....                      | ༡༣༩ |
| 3 ལུས་ལ་ནད་ཞི་བའི་ཐབས་བརྟན་བ་ལ་གསུམ། .....               | ༡༣༩ |
| (༡) ལྷ་ཚོགས་པའི་ནད་ལ་གསུམ། .....                         | ༡༣༩ |
| ནད་སྦྱི་ཉི་བར་ཞི་བའི། .....                              | ༡༣༩ |
| རྣལ་འབྱོར་པའི་ནད་ཞི་བའི་སྒྲན་ལ་བཞི། .....                | ༡༤༡ |
| 1 རྣལ་འབྱོར་གྱིས་མཛོ་ནད་ཞི་བའི་ངེས་པ། .....              | ༡༤༡ |
| 2 རྣལ་འབྱོར་པའི་བྱ་བའི་ངེས་པ་ལ་གཉིས། .....               | ༡༤༢ |
| ༡ སོག་ཚུལ་གྱི་རྣལ་འབྱོར་གྱི་ངེས་པ། .....                 | ༡༤༢ |
| ༢ དམ་ཚིག་དང་སྦྱོད་པའི་ངེས་པ། .....                       | ༡༤༢ |
| 3 ཀུན་སྒྲངས་ཀྱི་རྣལ་འབྱོར་པའི་སྒྲན། .....                | ༡༤༣ |

|                                                        |     |
|--------------------------------------------------------|-----|
| 4 བདུད་ཅི་ལ་སོགས་པའི་སྒྲུང་བ་ལ་གསུམ། .....             | 113 |
| 1 བདུད་ཅི་ལའི་སྒྲུང་བ། .....                           | 113 |
| 2 མེ་ཏོག་རྩལ་པའི་སྒྲུང་བ། .....                        | 114 |
| 3 སྒྲོན་མ་ལའི་སྒྲུང་བ། .....                           | 114 |
| སྒྲན་གྱིས་ནད་ཞི་བའི་ཐབས་ལ་གཉིས། .....                  | 114 |
| 1 ནད་གསུམ་ཞི་བའི་ཐབས། .....                            | 114 |
| 2 ཁ་ནད་ལ་སོགས་པ་ཞི་བའི་སྒྲན། .....                     | 115 |
| (1) འབྲུམ་བུའི་ནད་ལ་གཉིས། .....                        | 115 |
| 1 ཆོ་ག་དང་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱིས་ཞི་བ། .....                 | 115 |
| 2 སྒྲན་དང་སྒྲགས་གྱིས་ཞི་བ། .....                       | 115 |
| (2) ཉི་མའི་གདུང་པ་ཞི་བའི་ཐབས། .....                    | 115 |
| 4 འཆོ་བའི་ཐབས་བཅུད་དང་རྩལ་སྒྲུབ་པ་ལ་གཉིས། .....        | 116 |
| 1 ལུས་ཀྱི་དོན་དུ་བཅུད་ལེན་སྒྲུབ་པ། .....               | 116 |
| 2 ལོངས་སྒྲུང་གི་དོན་དུ་རྩལ་སྒྲུབ་པ་ལ་གཉིས། .....       | 116 |
| གསེར་བྱེད་ཅན་གྱི་དདུལ་གྱི་ངེས་པ། .....                 | 116 |
| མེ་ཏོག་གི་ངེས་པ། .....                                 | 117 |
| (1) དཀོན་མཆོག་མཆོད་པའི་རྩལ་སྒྲུབ་པ་ལ་གསུམ། .....       | 117 |
| དྲི་ཡི་ལེ་ཆོ་སྒྲུབ་པ་ལ་གསུམ། .....                     | 117 |
| རྩལ་བསྒྲུབ་པའི་ངེས་པ་ལ་གསུམ། .....                     | 117 |
| (1) དྲི་ཡི་རྩལ་བཀོད་པ་ཐུན་མོང་དུ་བསྒྲན་པ་ལ་གཉིས། ..... | 117 |
| 1 རེ་མིག་ལ་རྩལ་བཀོད་པ། .....                           | 117 |

|                                                       |     |
|-------------------------------------------------------|-----|
| ༡ རྩམ་གྱི་ཆ་བསྟན་པ། .....                             | ༡༩༩ |
| (༡) བྱད་པར་གྱི་རྩམ་བཞེད་པས་སོ་སོར་བཤད་པ་ལ་གསུམ། ..... | ༡༩༩ |
| ༡ སྒྲིམ་དང་རེད་བུའི་རྩམ། .....                        | ༡༩༩ |
| ༡ བྱུས་ལ་སོགས་པའི་རྩམ། .....                          | ༡༩༧ |
| ༡ བྱེ་མ་ལ་སོགས་པའི་རྩམ། .....                         | ༡༩༩ |
| (༢) དེ་དག་སྒྱུའི་མཁུག་བསྟན་པ། .....                   | ༡༩༧ |
| རྩམ་སྒྲིན་པའི་ཆོག་པ་ལ་བཞི། .....                      | ༡༩༧ |
| ༡ གྱི་བདུག་པས་སྒྲིན་པའི་རེས་པ། .....                  | ༡༩༧ |
| ༡ གྱི་བསྒྲོ་བ་དང་འབྲུག་པའི་རེས་པ། .....               | ༡༩༩ |
| ༡ གྱི་སྒྲོང་བའི་ཆང་གི་བདུག་པའི་འབྲུལ་འཁོར། .....      | ༡༩༩ |
| ༩ བདུག་པའི་འབྲུལ་འཁོར་དང་སྒྲིན་པ་ལྔའི་རེས་པ། .....    | ༢༠༠ |
| རྩམ་གསང་བ་བསྟན་པ། .....                               | ༢༠༡ |
| དྲིའི་རྒྱལ་པོའི་ཆོག་སྒྱུར་བ། .....                    | ༢༠༡ |
| དྲི་ཡི་ཉིལ་མར་སྒྱུར་བ། .....                          | ༢༠༧ |
| (༣) བྱིས་པ་གསོ་བའི་ཐབས་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....           | ༢༠༩ |
| མངལ་དགོལ་བའི་འབྲུལ་འཁོར། .....                        | ༢༠༩ |
| མ་མོས་གཟུང་བ་གསོ་ཐབས་ལ་གསུམ། .....                    | ༢༠༧ |
| 1 འཛིན་བྱེད་གྱི་མ་མོ་ངོས་བཟུང་བ་ལ་གསུམ། .....         | ༢༠༧ |
| ༡ མ་མོ་དྲུག་ཅུ་ཙུ་བཞིར་དབྱེ་བ། .....                  | ༢༠༧ |
| ༡ དེ་རྒྱམས་སོ་སོའི་བྱེད་ལས་བསྟན་པ། .....              | ༢༠༩ |
| ༡ མ་རུངས་པ་ལྔ་བྱེད་པར་དུ་བཤད་པ། .....                 | ༢༠༩ |

|                                                     |     |
|-----------------------------------------------------|-----|
| 2 བཟུང་བའི་མ་མོ་རྒྱམས་ལ་མཆོད་པ་ལ་གཉིས། .....        | 204 |
| སོ་སོར་བཤད་པ་ལ་བཞི། .....                           | 204 |
| 1 མངལ་མ་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་སོ་སོར་བཤད་པ། .....          | 204 |
| 2 ཉན་ཞག་མ་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་སོ་སོར་བཤད་པ། .....        | 210 |
| 3 ཟླ་བ་མ་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་སོ་སོར་བཤད་པ། .....         | 210 |
| 4 ལོ་ཅན་མ་མཆོད་པ་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་སོ་སོར་བཤད་པ། ..... | 211 |
| བསྐྱུ་ཏེ་བསྐྱུ་བ། .....                             | 211 |
| 3 མ་མོས་གཟུང་བའི་མཆན་ཉིད་བསྐྱུ་བ་ལ་གཉིས། .....      | 212 |
| 1 གསོ་བར་རུང་བའི་མཆན་ཉིད། .....                     | 212 |
| 2 གསོར་མི་རུང་བའི་མཆན་ཉིད། .....                    | 212 |
| དེ་ཡི་ཆོག་བསྐྱུ་བ་ལ་གཉིས། .....                     | 213 |
| (1) མཆོད་པས་བདེ་བར་འགྱུར་བ། .....                   | 213 |
| (2) མཆོད་པའི་ཆོག་དངོས་ལ་གཉིས། .....                 | 213 |
| 1 དགྲིལ་འཁོར་དང་ཐབ་གྱི་མཆན་ཉིད་ལ་གཉིས། .....        | 213 |
| སོ་སོའི་མཆན་ཉིད་བསྐྱུ་བ་ལ་གཉིས། .....               | 213 |
| 1 དགྲིལ་འཁོར་གྱི་མཆན་ཉིད། .....                     | 213 |
| 2 ཐབ་ཁུང་གི་མཆན་ཉིད། .....                          | 214 |
| ཐུན་མོང་དུ་མཆན་མ་དགོད་པ། .....                      | 214 |
| 2 དེ་དག་ཏུ་བྱ་བའི་ཆོག་བསྐྱུ་བ་ལ་གཉིས། .....         | 216 |
| 1 ཁྱུང་དང་བྱ་བ་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་བསྐྱུ་བ། .....        | 216 |
| 2 དབང་དང་སྦྱིན་སྲིག་ལ་སོགས་པའི་ཆོག་བསྐྱུ་བ། .....   | 216 |

|    |                                                 |     |
|----|-------------------------------------------------|-----|
| ༠༩ | མདོར་བསྟུན་བྲུག་པ། .....                        | ༢༡༧ |
| ༠༩ | ༡༩) རང་གཞན་གྱི་ལྷ་བ་གཏན་ལ་དབབ་པ་ལ་གཉིས། .....   | ༢༡༧ |
| ༠༩ | བཤད་པ་ལ་འཇུག་པ། .....                           | ༢༡༧ |
| ༡༠ | ཞུགས་པའི་བཤད་པ་དངོས་ལ་གཉིས། .....               | ༢༡༧ |
| ༡༠ | (༡) མཚུངས་པའི་ཚོས་རྣམས་བསྟན་པ། .....            | ༢༡༧ |
| ༡༡ | (༢) མི་མཚུངས་པའི་ཚོས་རྣམས་དབྱེད་པ་ལ་གཉིས། ..... | ༢༡༨ |
| ༡༡ | 1 སོ་སོའི་ལྷ་བ་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....             | ༢༡༨ |
| ༡༢ | སངས་རྒྱལ་གྱི་བསྟན་པ། .....                      | ༢༡༨ |
| ༡༢ | ལྷ་གསུམ་གྱི་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....                | ༢༢༠ |
| ༡༢ | ༡ ཚངས་པ་པའི་བསྟན་པ། .....                       | ༢༢༠ |
| ༡༢ | ༢ བྱུང་འཇུག་པའི་བསྟན་པ། .....                   | ༢༢༠ |
| ༡༢ | ༣ དབང་ཕྱུག་པའི་བསྟན་པ། .....                    | ༢༢༡ |
| ༡༢ | གཞན་རྣམས་ཀྱི་བསྟན་པ་ལ་གསུམ། .....               | ༢༢༢ |
| ༡༢ | ༡ ལུང་བུ་པའི་བསྟན་པ། .....                      | ༢༢༢ |
| ༡༢ | ༢ ར་རྒྱ་ཆའི་བསྟན་པ། .....                       | ༢༢༣ |
| ༡༢ | ༣ རྒྱལ་བ་པའི་བསྟན་པ། .....                      | ༢༢༣ |
| ༡༣ | 2 དེ་རྣམས་འགས་པས་དབྱེད་པ་ལ་གསུམ། .....          | ༢༢༤ |
| ༡༤ | (༡) ལྷ་གསུམ་གྱི་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། .....            | ༢༢༤ |
| ༡༤ | ཚངས་པའི་བསྟན་པ་འགས་པས་དབྱེད་པ་ལ་གསུམ། .....     | ༢༢༤ |
| ༡༤ | ༡ འག་ཕྱེད་རང་བྱུང་རྟག་པར་དབྱེད་པ། .....         | ༢༢༤ |
| ༡༤ | ༢ འགས་བཞིའི་སྐྱེ་གནས་ཚང་བར་དབྱེད་པ། .....       | ༢༢༥ |

|                                                                        |     |
|------------------------------------------------------------------------|-----|
| ༡ སྒྲིག་གི་མཆོག་སྤྱོད་ཆོས་སུ་འདོད་པ་སྤྱད་དབྱུང་བ། .....                | ༡༣༠ |
| བྱབ་འཇུག་དང་དབང་ཕྱུག་པའི་བསྟན་པ་རིགས་པས་དབྱུང་པ་ལ་གཉིས། .....          | ༡༣༡ |
| བྱེད་པ་པོ་ལ་གཉིས། .....                                                | ༡༣༡ |
| 1 ལྷ་ཆོག་སུ་འབྱུང་པར་བྱེད་པོ་མེད་པའི་རིགས་པ་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། .....       | ༡༣༡ |
| ༡ ལས་ལས་གཞན་པའི་བྱེད་པོ་མེད་པ། .....                                   | ༡༣༡ |
| ༡ བྱེད་པོས་བྱེད་པ་གཞན་ལ་ལྷོས་པ། .....                                  | ༡༣༢ |
| 2 བྱེད་པོ་མེད་ཀྱང་ལྷ་ཆོག་སུ་འབྱུང་པ་རྟེན་འབྲེལ་དུ་བསྟན་པ་ལ་གཉིས། ..... | ༡༣༣ |
| རྟེན་འབྲེལ་གྱི་དོན་དངོས། .....                                         | ༡༣༣ |
| བརྟགས་པའི་ལན་དགག་པ་ལ་དུག .....                                         | ༡༣༤ |
| ༡ རྣམ་པར་དབྱུང་ན་རྒྱ་འབྲས་ཉིད་མ་གྲུབ་པ། .....                          | ༡༣༤ |
| ༡ ཀྱན་རྗེ་བ་རྒྱ་འབྲས་ལྷོས་ནས་འཛོག་པ། .....                             | ༡༣༤ |
| ༡ མི་ལྷོས་པར་འདོད་པ་ལ་རིགས་པ་མེད་པ། .....                              | ༡༣༥ |
| ༤ ཟོལ་གྱི་གཏན་ཆོག་སུ་ལ་རྣམ་པ་མེད་པ། .....                              | ༡༣༥ |
| ༥ རྣམ་པར་དབྱུང་ན་གཏན་ཆོག་སུ་འབྲས་པ་མ་གྲུབ་པ། .....                     | ༡༣༥ |
| ༦ དེ་དག་གི་དོན་བསྟན་ཏེ་བསྟན་པ། .....                                   | ༡༣༦ |
| བདག་སྤྱོད་དབྱུང་བ། .....                                               | ༡༣༦ |
| (༡) སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རིགས་པས་དབྱུང་པ་ལ་གཉིས། .....                  | ༡༣༧ |
| སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྤྱིར་བསྟན་པ། .....                                | ༡༣༧ |
| སྤྱི་མཐོང་ལྷ་བ་རིགས་པས་དབྱུང་པ་ལ་གཉིས། .....                           | ༡༤༡ |
| ཕྱོགས་འཛིན་པ་ལ་རིགས་པས་གཞོན་ལ་གཉིས། .....                              | ༡༤༡ |
| ༡ སྤྱིར་བསྟན་པ། .....                                                  | ༡༤༡ |

|    |                                                         |     |
|----|---------------------------------------------------------|-----|
| ༣༠ | ༡ སྒྲིལ་བཤད་པ་ལ་གསུམ།.....                              | ༣༤༣ |
| ༣༡ | 1 བྱེ་བྲག་ཏུ་སྐྱེ་བའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....        | ༣༤༣ |
| ༣༡ | 2 མདོ་སྒྲིལ་བའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....              | ༣༤༤ |
| ༣༡ | 3 སེམས་ཙམ་པའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ་ལ་གཉིས།.....         | ༣༤༥ |
| ༣༡ | ༡ རྣམ་པར་ཤེས་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....                      | ༣༤༥ |
| ༣༢ | ༢ སྐད་ཅིག་གི་སྒྲིལ་ལག་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....               | ༣༤༧ |
| ༣༣ | སྒྲིལ་མེད་པ་ལ་གཞོན་བྱེད་མེད་པར་སྐྱོན་པ་ལ་གཉིས།.....     | ༣༤༨ |
| ༣༣ | (༡) འཁོར་ལོ་བར་བ་དང་མཐུན་པ་སྐྱོང་མེད་དབུ་མ།.....        | ༣༤༨ |
| ༣༤ | (༢) འཁོར་ལོ་བར་མ་དང་མཐུན་པ་སྐྱོང་བཅས་དབུ་མ་ལ་གཉིས།..... | ༣༤༨ |
| ༣༤ | ༡ རྒྱ་འོད་གསལ་སྐྱོང་ཉིད་ཀྱི་དབུ་མ།.....                 | ༣༤༨ |
| ༣༤ | ༢ འབྲས་བུ་བདེ་ཆེན་སྐྱོང་རྗེའི་དབུ་མ།.....               | ༣༤༩ |
| ༣༥ | (༣) གཞན་རྣམས་ཀྱི་བསྐྱོན་པ་རིགས་པས་དབྱུང་པ་ལ་གསུམ།.....  | ༣༥༠ |
| ༣༥ | སྐྱེ་བ་ཞིག་ལ་སྒྲིལ་བའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....       | ༣༥༠ |
| ༣༧ | རྒྱུ་འཕྲན་པའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་བ།.....                | ༣༥༠ |
| ༣༨ | ཟད་བྱེད་པའི་འདོད་པ་སྐྱོན་དབྱུང་པ་ལ་གསུམ།.....           | ༣༥༡ |
| ༣༨ | 1 སྒྲིལ་རྟག་པ་ལུས་ཀྱི་ཚད་དུ་དགག་པ་ལ་གཉིས།.....          | ༣༥༡ |
| ༣༩ | ༡ དོན་དངོས།.....                                        | ༣༥༡ |
| ༣༩ | ༢ ལན་དགག་པ།.....                                        | ༣༥༢ |
| ༤༠ | 2 འཛིག་རྟེན་གསུམ་དང་ཐར་པ་གཟུགས་ཅན་རྟག་པར།.....          | ༣༥༣ |
| ༤༠ | 3 རགས་ལ་སྒྲིལ་པ་ལ་སྒྲིལ་ཡོད་པར་འདོད་པ་དགག་པ།.....       | ༣༥༣ |
| ༤༠ | (༣) གདམས་ཤིང་བསྐྱོད་པས་མཐུག་བསྐྱེད་པ་ལ་གསུམ།.....       | ༣༥༥ |

|                                                                      |     |
|----------------------------------------------------------------------|-----|
| རྒྱུད་གྱི་དོན་བསྐྱུས་ཏེ་གདམས་པ་ལ་གཉིས། .....                         | ༢༥༥ |
| ༡ ཆོས་སེམས་ཅན་གྱི་བསམ་པ་དང་མཐུན་པར་གསུངས་ཚུལ། .....                  | ༢༥༥ |
| ༢ ཆོས་དང་ཆོས་མིན་གྱི་ཁྱད་པར་བྱེ་ནས་གདམས་པ། .....                     | ༢༥༥ |
| རྒྱུད་སྟོན་པ་པོ་སྐྱབས་གནས་སུ་གདམས་པ། .....                           | ༢༥༥ |
| ཉི་མའི་ཤིང་རྟ་ལྷ་ལྷ་བྱས་པ། .....                                     | ༢༥༥ |
| མདོར་བསྐྱུས་བདུན་པ། .....                                            | ༢༥༦ |
| ཐོག་མ་ལས་རྣམ་རྒྱལ་གྱི་མཆན་གྱིས་གསལ་བའི་རྒྱུད་འགྲེལ་ལས་དབང་གི་ལེའུའི་ |     |
| རྒྱུས་འགྲེལ་བཞུགས། .....                                             | ༢༥༦ |